आप जैसा चाहें, फिल्म में खुद को वैसा कर सकते हैं प्रस्तुत : जोया

बॉलीवुड को 'गली बॉय' और 'दिल धड़कने दो' जैसी फिल्में देने वाली निर्देशक जोया अख्तर का कहना है कि मैं वैसी ही फिल्में बनाने का प्रयास करती हूं, जिन्हें देखा जा सके। जोया ने कहा कि जब मैं छोटी थी, जो मेरा मानना था कि सिनेमा में जो दिखाया जाता है, उसकी निश्चित परिकल्पना होती है। लेकिन जब मैंने 'सलाम बॉम्बे' देखी तो मेरी यह अवधारणा बिल्कुल बदल गई। मुझे उस फिल्म से यह पता चला कि आप जैसा चाहते हैं, फिल्म में खुद को वैसा प्रस्तुत कर सकते हैं। मैं वैसी ही फिल्में बनाने का प्रयास करती हूं, जो मैं देख सकूं। उन्होंने कहा, 'फिल्मों में दिखाई देने वाले पुरुषों को बदल दिया जाता है। उनकी कहानी और किरदार आज काफी अलग हो गए हैं। राजी में विक्की कौशल को देखिए, वह काफी खूबसूरत किरदार था। और इस बात का श्रेय पूरी तरह से मेघना को जाता है, क्योंकि उन्होंने वह किरदार गढ़ा था।' उन्होंने कहा कि हम आजकल वैसे ही पुरुषों को फिल्मी पर्दे पर प्रोजेक्ट करते हैं, जिन्हें हम स्क्रीन पर देखना चाहते हैं। जोया ने यह भी कहा कि आप जिन किरदारों की रचना करते हैं, उन्हें पर्दे पर और ज्यादा गहराई से दिखना चाहिए। आपको वह दिखाना होगा, जिसे इससे पहले कभी नहीं देखा गया। उन्होंने कहा कि इस काम में बारीकियों का ध्यान रखना पड़ता है। इसमें मुख्य बात यह है कि आपको ऐसी मानसिकता की रचना करनी पड़ती है, जिसके साथ दर्शक सीधे जुड़ सकें। गौरतलब है कि हाल ही में जोया ने मेलबर्न में इंडियन फिल्म फेस्टिवल में भी शिरकत की थी और वहां उन्होंने सिल्वर स्क्रीन पर महिलाओं और पुरुषों की प्रस्तुति कैसे की जाए और इसमें इन वर्षों में क्या बदलाव आए हैं, इस विषय पर अपने विचार रखे थे। बात करें कैरियर की तो जोया अख्तर नेटफ्लिक्स पर आने वाली वेब सीरीज 'घोस्ट स्टोरीज' पर काम कर रही हैं।